के मामले में न्यूनतम योग्यता मैट्रीकुलेशन नहीं रखी गई है। मैट्रीकुलेशन परीक्षा में फेल तथा मैट्रिक दर्जे तक शिक्षा प्राप्त उम्मीदवार भी इस पद पर नियुक्ति-योग्य माने जाते हैं। लेबोरेटरी अटेन्डेंटो को केमिस्टो द्वारा बताये गये धंधे-धंधाये कार्य करने होते हैं। इसलिये निम्न श्रेणी लिपिको और लेबोरेटरी अटेन्डेन्टो के पद न तो योग्यता के मामले मे परस्पर समान हैं और न कार्य की प्रकृति के मामले में।

(ग) और (घ) 1-5-1966 से लेबोरेटरी अटेन्डेन्टो का वेतन मान 80-110 रुपये से संशोधित करके 85-128 रुपये कर दिया गया है। इसके बाद वेतन मान मे आगे वृद्धि के लिए संशोधन करने के सम्बन्ध में कुछ अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं। लेबोरेटरी अटेन्डेन्टो द्वारा किये जाने वाले कार्य के स्वरूप को देखते हुए सरकार ने निर्णय किया है कि उनके वेतन मान मे और आगे वृद्धि के लिये संशोधन करने का कोई औचित्य नहीं है।

परिवार नियोजन का प्रशिक्षण

733. **श्री तरजू पाण्डेय** : क्या स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि गत वर्ष गांधीग्राम बम्बई तथा नई दिल्ली मे परिवार नियोजन के बारे म प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिये प्रशिक्षणार्थी बुलाये गये थे,

(ख) यदि हां तो विभिन्न राज्यो म इन प्रशिक्षण केन्द्रो मे कितने प्रशिक्षणार्थी हैं,

(ग) इन प्रशिक्षण केन्द्रो मे ऐसे प्रशिक्षण पर कुल कितना व्यय हुआ है,

(घ) क्या यह सच है कि नई दिल्ली के प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रशिक्षणार्थियो को कोई वजीफा नहीं दिया गया जब कि बम्बई तथा गांधीग्राम के प्रशिक्षण केन्द्रों मे प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियो को प्रति मास 150 रुपये वजीफा दिया गया, और

(ङ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं?

स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन मंत्री (डा० श्रीमति चन्द्रशेखर) : (क) जी, हां।

(ख) अपेक्षित सूचना का एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या एल टी-283/67]

(ग) सूचना एकत्र की जा रही है और तैयार होते ही सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

(घ) जी, हां।

(ङ) वर्तमान प्रणाली के अनुसार छात्रवृत्ति केवल उन प्रशिक्षणार्थियो को मिल सकती है जो प्रशिक्षण केन्द्र से सम्बद्ध छात्रावास मे रहते हो। चूंकि नई दिल्ली स्थित प्रशिक्षण संस्थान से कोई छात्रावास सम्बद्ध नही है अत प्रशिक्षार्थी इन छात्रवृत्तियो को पाने के अधिकारी नही थे। इसके बदले उन्हें अपना सामान्य दैनिक भत्ता मिलता रहा।

Eastern Districts of U P

734. **Shri Rajdeo Singh**
Shri Shambhu Nath.
Shri Nageshwar

Will the Minister of Finance be pleased to state

(a) the amount of help given for the development work for Azamgarh, Ghazipur Jaunpur and Deoria Districts of Uttar Pradesh so far, and

(b) the amount proposed to be spent in the next financial year?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji